ज्ञानसागर ग्रंथमाला

इतिहास भारतीय दृष्टि

डॉ. विनोदकुमार विलासराव वायचळ 'वेदार्य'

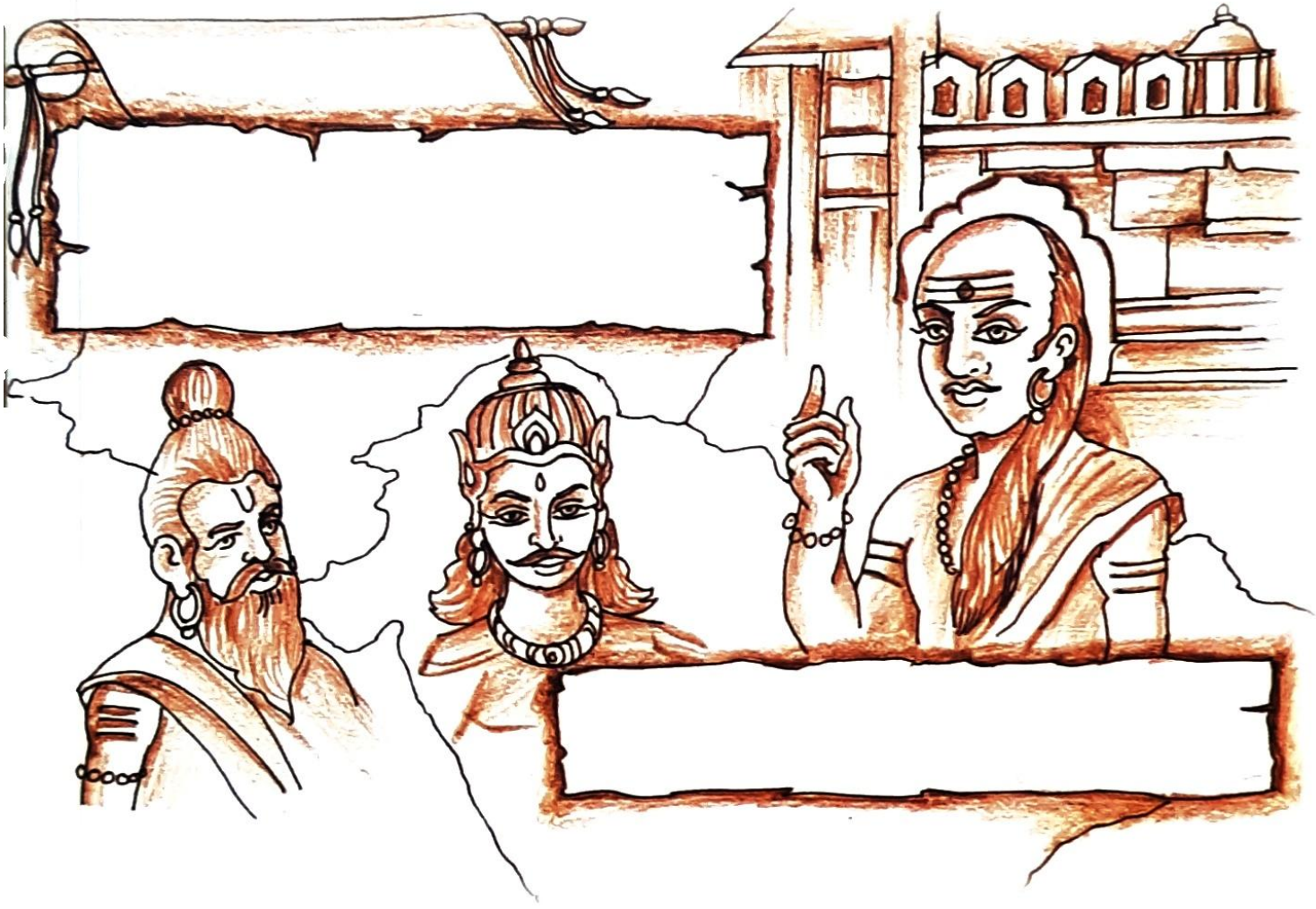

पुनरुत्थान

पुनरुत्थान प्रकाशन सेवा ट्रस्ट

पुनरुत्थान विद्यापीठ

पुनरुत्थान विद्यापीठ भारत की शिक्षा को भारतीय बनाने का और उसे पुनः प्रतिष्ठित करने का प्रयास कर रहा है। इस का केंद्रवर्ती विषय है भारतीय ज्ञान के आधार पर कक्षा कक्षों में वर्षानुवर्ष दी जाने वाली अभारतीय जानकारी, उससे बनते जा रहे अभारतीय मानस, विकसित और दृढ होती जा रही अभारतीय दृष्टि और उससे बनने वाली अभारतीय नीति के लिये भारतीय विकल्प देने का है।

इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु दो कार्य करना अत्यंत आवश्यक हैं। भारतीय ज्ञान संपदा का भारतीय दृष्टि से अध्ययन और उसे व्यवहार्य बनाने हेतु युगानुकूल बनाने हेतु अनुसंधान तथा उसके आधार पर २१वीं शताब्दी हेतु नवीन साहित्य का निर्माण।

पुनरुर्थान विद्यापीठ दोनों कार्य कर रहा है। इसीका परिपाक है इस ज्ञान सागर ग्रंथमाला के १,०५१ ग्रंथ।

यह एक उदाहरण प्रस्तुत करने वाला प्रयास है। ऐसे अनेकानेक ग्रंथों का निर्माण होना चाहिये और शिक्षा के सर्व प्रकार के सर्व स्तरों पर चलने वाले केंद्रों में उसका अध्ययन शुरु हो जाना चाहिये इससे नई पीढी भारतीय ज्ञान से युक्त बनेगी और भारत भारत बनने की शुरुआत होगी।

ऐसे काम कोई एक व्यक्ति, कोई एक संस्था अकेले नहीं कर सकती। एक स्थान या कुछेक स्थानों पर उसका प्रयोग होने से भी परिणाम प्रभावी नहीं होता। यह सार्वत्रिक प्रयास की अपेक्षा करता है।

अतः ज्ञानसागर महाप्रकल्प के इस ग्रंथ के माध्यम से हम ऐसे सभी पाठकों से निवेदन करते हैं जो राष्ट्रीय शिक्षा के प्रति समर्पित हैं, वे इस प्रयास से जुडे और भारतीय ज्ञान की पुनः प्रतिष्ठा के कार्य में अपना योगदान दें।

ज्ञानसागर ग्रंथमाला

इतिहास भारतीय दृष्टि

लेखक

डॉ. विनोदकुमार विलासराव वायचळ 'वेदार्य'

पुनरुत्थान

पुनरुत्थान प्रकाशन सेवा ट्रस्ट

ज्ञानसागर ग्रंथमाला ५१९

इतिहास भारतीय दृष्टि

लेखक
डॉ. विनोदकुमार विलासराव वायचळ 'वेदार्य'

प्रकाशक
पुनरुत्थान प्रकाशन सेवा ट्रस्ट
ज्ञानम् ९ बी, आनंद पार्क, डॉ. हेडगेवार भवन के सामने,
बलिया काका मार्ग, जूना ढोर बाजार, कांकरिया, अहमदाबाद ३८० ०२८
दूरभाष : ०७९-२५३२२६५५

मुद्रक
नूतन आर्ट, अहमदाबाद

प्रकाशन तिथि
रथ सप्तमी, युगाब्द ५१२४, २८ जनवरी २०२३

संकल्पना और निर्माण
पुनरुत्थान विद्यापीठ

प्रतियाँ
१०००

मूल्य
रू. ३००

आई. एस. बी. एन. :

लेखक परिचय

नाम	-	**प्रा. डॉ. विनोदकुमार विलासराव वायचळ 'वेदार्य'**
पता	-	२८/८३ (९), विद्यानगर तांबरी विभाग, धाराशीव (उस्मानाबाद) महाराष्ट्र – ४१३ ५०१.
आयु	-	४७ वर्ष
शिक्षा	-	बी.एस्सी., एम.ए. (हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी), नेट (हिन्दी), एम.फिल (हिन्दी), पी.एच.डी. (हिन्दी), डी.लीट. (मानद)
रुचि	-	अध्ययन, अध्यापन, लेखन
संप्रति	-	सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय धाराशिव (उस्मानाबाद)
कर्तृत्व	-	आठ पुस्तकों का अनुवाद, दो पुस्तकों का संपादन, एक मौलिक पुस्तक का लेखन, अस्सी शोधालेख प्रकाशन
उपलब्धि	-	४० से भी अधिक राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार / सम्मान * विश्वस्त – आर्य समाज, धाराशीव (उस्मानाबाद) * सचीव – आर्य वीर दल, धाराशीव * सदस्य – सामाजिक समरसता मंच, धाराशीव * सदस्य – समरसता साहित्य परिषद, धाराशीव * सदस्य – विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान, देवगिरी प्रांत * आजीवन सदस्य – राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना, उज्जैन * विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान प्रयागराज * नागरी लिपी परिषद् – नई दिल्ली

पुनरुत्थान प्रकाशन सेवा ट्रस्ट

ज्ञानम् ९ बी, आनंद पार्क, डॉ. हेडगेवार भवन के सामने,
बलिया काका मार्ग, जूना ढोर बाजार, कांकरिया,
अहमदाबाद ३८० ०२८ • दूरभाष : ०७९-२५३२२६५५